सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 60 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 4 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

हैप्पीनेस कोई रेडीमेड चीज नहीं है। ये आपके अपने कर्मों से आती है।
–ब्रह्माकुमारी शिवानी

भाजपा चाहती है कि राजनीतिक लाभ... 8 | अब छिड़ेगी शहरों पर कब्जे की... 3 | राहुल पर गर्व और पूरा विश्वास... 7

और तीखे तेवर दिखाएंगे राहुल

शेल कंपनियों में बेनामी संपत्ति किसकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सूरत से दिल्ली वापस आने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी फिर आक्रामक रुप में नजर आए। उन्होंने भाजपा व मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा जवाब तो देना ही होगा कि 20 हजार करोड़ की बेनामी संपत्ति किसकी है। कांग्रेस द्वारा न्यायपालिका पर दबाव डालने के भाजपा के आरोपों पर जवाब देते हुए राहुल ने कहा कि सबसे पहले भाजपा को जवाब देना चाहिए की अदाणी की शेल कंपनियों किसके हजारों करोड़ रुपये लगे हुए हैं।

राहुल गांधी आज जैसे ही कांग्रेस मुख्यालय में पहुंचे तो कुछ पत्रकारों ने उनसे सूरत कोर्ट में कल उनके द्वारा डाली गई याचिका पर सवाल किया। पत्रकार ने कहा कि भाजपा बोल रही है कि कांग्रेस द्वारा न्यायपालिका पर दबाव बनाया जा रहा है। पत्रकार का सवाल सुनते ही राहुल गांधी बिफर गए और कहा कि आप हमेशा भाजपा की की बात क्यों करते हैं। बता दें कि राहुल गांधी को मोदी सरनेम टिप्पणी को लेकर सूरत की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी लोकसभा सदस्यता भी चली गई थी। सूरत कोर्ट के इस फैसले को राहुल ने सोमवार को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी, जहां उन्हें मामले में जमानत मिल गई।

राहुल गांधी बोले- भाजपा को जवाब देना ही होगा

20 हजार करोड़ की बेनामी संपत्ति किसकी

वास्तविक मुद्दों पर करें सवाल : अजीत पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता अजीत पवार ने कहा है कि मंत्रियों की डिग्री पर सवाल उठाना सही नहीं है और लोगों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक नेता ने अपने कार्यकाल में क्या हासिल किया है। प्रधानमंत्री मोदी की शैक्षिक योग्यता के बारे में जनसभा को संबोधित करते हुए अजीत पवार ने कहा, कि साल 2014 में क्या जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी डिग्री के आधार पर वोट दिया था? उन्होंने कहा, अब वह नौ साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनकी डिग्री के बारे में पूछना उचित नहीं है। हमें उनसे महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सवाल करना चाहिए। मंत्री की डिग्री कोई महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। अगर हमें उनकी डिग्री पर स्पष्टता मिलती है तो क्या महंगाई कम होगी? क्या उनकी डिग्री की स्थिति जानने के बाद लोगों को नौकरी मिलेगी?

सत्य को मैंने अपना अस्त्र और सहारा माना

सूरत कोर्ट से जमानत मिलने के बाद राहुल गांधी ने एक ट्वीट कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मित्रकाल के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने की जंग लड़ रहा हूं। इस लड़ाई में सत्य को मैंने अपना अस्त्र और सहारा माना है और मैं उसी रास्ते पर चलूंगा।

मॉब लिंचिंग मामले में 14 आरोपी दोषी करार, दो बरी

- » एससी-एसटी केरल कोर्ट कल करेगा सजा का एलान
- » चोरी के शक में हुई थी लिंचिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पलक्कड। अट्टापडी मधु लिंचिंग मामलें में केरल की एससी–एसटी कोर्ट ने 14 आरोपियों को दोषी करार दिया है। मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों को बरी भी किया है और सजा का एलान कल करने का एलान किया है। बता दें कि मामले में 5 साल बाद फैसला आया है।

केरल के आदिवासी इलाके में मधु को एक जंगल के अंदर पकड़कर पीटा गया था। दरअसल, मधु पर इलाके की दुकानों से चोरी करने का आरोप लगा था और लोगों का कहना था कि ये अक्सर ऐसे करता है। इसी के चलते लोगों के एक समूह ने मधु को जंगल से पकड़ कर अट्टापडी के एक छोटे से जंक्शन मुक्कली में परेड कराई। आरोप है कि इस दौरान उन लोगों ने उसको कई दफा पीटा और इस मारपीट से उसकी मौत हो गई। आरोपियों ने जब मधु के साथ मारपीट की तो उस दौरान 16 लोग मौजूद थे। इन्हीं 16 लोगों को आरोपी बनाया गया था और कहा गया था कि इन सब ने मधु को काफी पीटने के बाद पुलिस को सौंपा था। आदिवासी युवक को इसके बाद थाने के रास्ते में आए अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया।

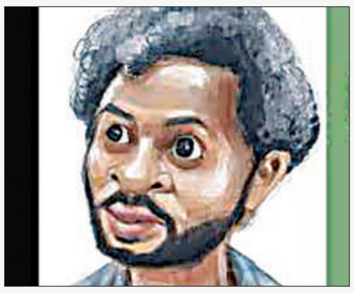

चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर फिर गड़ाई आंख

भारत ने किया खारिज

- » 11 स्थानों के नाम बदल जारी की लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। चीन ने एकबार फिर भारत को उकसाया है। उसने अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को फिर मज़बूत करने की कोशिशों के तहत राज्य में 11 स्थानों के लिए नए नामों का सेट जारी किया है। यह तीसरा मौका है, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदला है।

हालांकि उसकी इस हरकत का भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत जवाब दिया। चीन अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत का दक्षिणी भाग ज़ंगनान कहता है, चीन के गृह मंत्रालय ने सोमवार को चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षरों में नामों का सेट जारी किया, जो चीन के मंत्रिमंडल की राज्य परिषद द्वारा नियमानुसार जारी किए गए भौगोलिक नामों पर आधारित था।

2018 और 2021 में कर चुका है ऐसी हरकत

इस तरह की पहली दो सूचियां 2018 और 2021 में जारी की गई थीं। चीन ने पहले छह नामों की सूची जारी की थी, जबकि 2021 में उसने अरुणाचल प्रदेश में 15 स्थानों का नाम बदला था। नई दिल्ली ने दोनों मौकों पर चीन के दावों को मजबूती से खारिज कर दिया था। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, हमने इस तरह की रिपोर्ट देखी ह, यह पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह का प्रयास किया है, हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है, और रहेगा, ऐसे प्रयास से वास्तविकता नहीं बदलेगी।

भाजपा को फिर सत्ता, मतलब लोकतंत्र खत्म

अखिलेश बोले- उद्योगपति चला रहे हैं सरकार

» सपा मुखिया ने स्मृति पर साधा निशाना, कहा-नहीं दिखाई देती सिलेंडर वाली सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकारों को महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर खूब खरी-खोटी सुनाई है। पूर्व सीएम ने कहा डबल इंजन की सरकार को उद्योगपति चला रहे हैं। लोगों को आगाह करते हुए कहा कि अगर 2024 के चुनाव में भाजपा फिर सत्ता में आ गई तो देश में लोकतंत्र ही खत्म हो जाएगा।

सबको मिलकर लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ने का समय आ गया है। इसके लिए अभी से सभी लोग तैयार हो जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के हर अन्याय के खिलाफ विधानसभा से लेकर सड़क तक केवल समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ही लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पर झूठे दावे करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अभी भाजपा सरकार ने बेरोजगारी दर 4 प्रतिशत होने का दावा किया। उन्होंने कहा आज गांव के सारे युवा बेरोजगार है और सरकार झूठे दावे करके युवाओं को गुमराह करने का काम कर रही है। भीड़ की ओर इशारा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होने का भाजपा दावा कर रही है। क्या ऐसा हुआ है तो भीड़ से जवाब आया नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने अदाणी का नाम लिए बगैर कहा कि इतनी जल्दी वह बड़ा पूंजीपति बन गया है। यह सब भाजपा सरकार की देन है। सपा मुखिया ने अमेठी सांसद एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज सिलेंडर के दाम 1100 रुपए से अधिक हो गए हैं।

आपके बगल की अमेठी सीट से सिलेंडर वाली सांसद अब क्यों कहीं नहीं दिखाई देती। उन्होंने कहा भाजपा ने गरीबों के घर में लाल वाला सिलेंडर तो पहुंचा दिया लेकिन गरीबों के लिए इस महंगाई में सिलेंडर भरवाना ही मुश्किल है। भाजपा पर निशाना साधते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि किसी जमाने में ईस्ट इंडिया कंपनी आई थी। देश गुलाम हुआ। अब एक बार फिर देश को निजी हाथों में बेचा जा रहा है।

कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रायबरेली में बसपा संस्थापक कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण किया। पूर्व सीएम ने कांशीराम के अनुयायी अब हमारे साथ हैं। ये सभी एक वक्त बसपा में नंबर वन थे। अब सपा में सामाजिक आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं। कांशीराम और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संकल्प को समाजवादी पार्टी पूरा करेगी। सामाजिक समरसता कायम करते हुए 2024 में भाजपा को सत्ता से बेदखल करेगी और दलितों, पिछड़ों को हक दिलाएगी।

सेंध नहीं एक सूत्र में बांधने आए हैं

सपा अध्यक्ष ने बसपा का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग कह रहे हैं कि हम सेंध लगाने आए हैं, वे जान लें कि हम सभी लोगों को एकसूत्र में बांधने आए हैं। बसपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो काम उन्हें करना चाहिए था। वे नही किए। सपा कर रही है तो उन्हें तकलीफ हो रही है। मान्यवर कांशीराम की मूर्ति लगने पर सबसे ज्यादा खुशी उनके अनुयायियों को ही होनी चाहिए। जिन्हें खुशी नहीं है वह कांशीराम के अनुयायी नहीं हो सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य की तारीफ करते हुए कहा कि कांशीराम की प्रतिमा लगवाकर जिस राजनीति की शुरुआत की है, उसके लिए उन्हें बधाई।

सपा मुखिया के स्वागत में उमड़े सपाई

रायबरेली/बछरावां/हरचंदपुर। सपा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जिलेभर में जोरदार स्वागत किया गया। जिले की सीमा चुरुवा से लेकर गदागंज क्षेत्र तक कई जगह कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाए। सपा मुखिया को सपाइयों ने स्मृति चिन्ह भी भेंट किए। सपा जिलाध्यक्ष इं. वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में सपाइयों ने अगुवानी की। बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती ने टोल गेट पर स्वागत किया। सपा मुखिया का काफिला चुरुवा मंदिर पर बिना रुके ही निकल गया। कस्बे में मुख्य चौराहे पर इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया, लेकिन सपा मुखिया नहीं रुके।

सारा विपक्ष एक होगा तभी बचेगा संविधान : महबूबा

» लोकसभा चुनाव लड़ने पर अभी सोचा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र के स्तंभ लड़खड़ा रहे हैं। भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और आज उसी लोकतंत्र और संविधान पर हमले हो रहे हैं। यह अच्छे संकेत हैं कि विपक्ष कांग्रेस के साथ जुड़ रहा है। अब लोकतंत्र को बचाने का यही एक उपाय है।

आगे उन्होंने कहा,पहले मुस्लिम समुदाय निशाने पर था, फिर दलित आएंगे और फिर अन्य समुदाय और अंत में यह भाजपा बनाम सभी होंगे। यह अच्छा है कि विपक्ष कांग्रेस के साथ आ रहा है क्योंकि लोकतंत्र को बचाने का यही एकमात्र तरीका है। लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि अभी इस बारे में कुछ भी नहीं कर सकते, अभी कुछ पता नहीं है। क्या गठबंधन में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी, इस सवाल के जवाब में भी महबूबा ने कहा कि इस बार में अभी कुछ भी नहीं कह सकते, अभी कहना जल्दबाजी होगी। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगी राजनीतिक पार्टियों के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) चीफ महबूबा ने कहा है कि जब तक राज्य में आर्टिकल 370 फिर से बहाल नहीं हो जाता वो विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी।

चुनाव से पहले भाजपा करेगी नौटंकी

» कमलनाथ बोले-जनता इनके बहकावे में आने वाली नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि इस बार का चुनाव मध्य प्रदेश की जनता और भारतीय जनता पार्टी के बीच होगा। उन्होंने भाजपा के रविदास शिला पूजन अभियान को लेकर निकाली जा रही शिला पूजन यात्राओं पर कहा कि चुनाव में भाजपा तरह तरह के नाटक नौटंकी और हर दिन नए-नए स्वांग करेगी, लेकिन जनता इनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा के लिए मुझे किसी विशेष रणनीति की आवश्यकता नहीं है। छिंदवाड़ा की जनता से मेरा आत्मीय और पारिवारिक संबंध हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव नवंबर में होने है। इसके पहले ही प्रदेश में सियासी पारा चढ़ गया है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि प्रदेश के हर जिले में भाजपा के लोग हमारे संपर्क में है। इस पर भाजपा प्रदेश वीडी शर्मा ने कहा कि कमलनाथ जी अपना घर संभाल नहीं पा रहे है। भाजपा की चिंता मत कीजिए। कमलनाथ ने कहा कि जनता को गुमराह करने के लिए और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए भाजपा कांग्रेस फाइल्स जैसे हथकंडे अपना रही है। 9 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। किसी को सजा नहीं हुई, किसी भी मामले में दोषसिद्धि नहीं हुई। ध्यान मोड़ने की साजिश है। नाथ ने बैतूल में बिरसा मुंडा की प्रतिमा टूटने पर कहा कि चुनाव नजदीक है। यह समाज को बांटने की बीजेपी की रणनीति है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले-हमारी चिंता मत कीजिए

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि सत्ता की गद्दी से जब कुर्सी खिंच जाती है तो दर्द तो होता ही है। वह दर्द समाप्त नहीं होता। सरकार गिरने के बाद कमलनाथ जी हर महीने मुख्यमंत्री बनते थे। प्रदेश की जनता ने उपचुनाव में उन्हें आईना दिखा दिया। भाजपा विचार आधारित दल है। कमलनाथ जी आप अपने घर को संभाल नहीं पा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की चिंता मत कीजिए।

युवा कांग्रेस ने शुरू किया 'जवाब दो मोदी जी' पोस्टकार्ड अभियान

शिमला। भारतीय युवा कांग्रेस के पोस्टकार्ड अभियान 'जवाब दो मोदी जी' का हिमाचल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में विमोचन किया गया। युवा कांग्रेस इस अभियान के तहत प्रदेश के जिला मुख्यालयों और सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली आवास पते पर पोस्टकार्ड पत्र भेजेगी। पोस्टकार्ड में पूंजीपति अदाणी और पीएम मोदी की मित्रता के संबंध में तीन प्रश्न पूछे गए हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

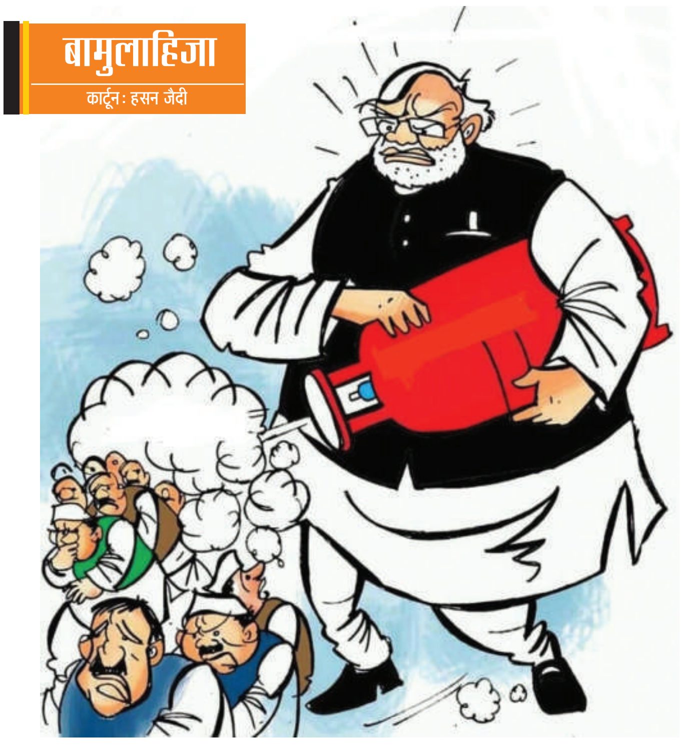

केजरीवाल सबसे बड़े झूठे मुख्यमंत्री : मनोज तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि केजरीवाल देश के सबसे झूठे, भ्रष्ट और बेईमान मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली ही नहीं असम में जाकर भी अरविंद केजरीवाल झूठ बोलते हैं। कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपने कार्यकाल में 12 लाख नौकरियां नहीं बल्कि सिर्फ 440 नौकरियां ही दी हैं। आरटीआई का हवाला देते हुए यह बातें तिवारी नें कहीं।

उन्होंने मांग की कि जिन विभागों में 12 लाख नौकरियां दी गई हैं, उनकी सारी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इसी तरह चाहे वह यमुना सफाई हो, बसों की खरीद हो, पीने का पानी हो और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली हो, सभी मामले में सरकार फ्लॉप साबित हुई है। इस मौके पर भाजपा विधायक अजय महावर ने कहा कि दिल्ली सरकार ने साल 2015 से लेकर 2023 तक जो 440 नौकरियां दी हैं उनमें साल 2015 में 176, 2016 में 102, 2017 में 66, 2018 में 68 और 2020 में 28 नौकरियां हैं। 2019, 2021, 2022 और 2023 में कोई नौकरियां केजरीवाल सरकार उपलब्ध नहीं करा पाई है।

RHYTHM DANCE STUDIO
Rajistration now
+91-9919200789
www.rhythmdancingstudio.co.in
B-3/4, Vinay khand-3, gomtinagar,
(near-husariya Chauraha, Lucknow

अब छिड़ेगी शहरों पर कब्जे की लड़ाई

निकाय चुनाव को बिछ रही है बिसात

- » सभी सियासी पार्टियां तैयारी में जुटी
- » भाजपा ओबीसी व दलितों पर डालेगी डोरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनावों की घोषणा होने में अभी समय है। पर राज्य में चुनावों को लेकर सरगर्मियां जोर लेने लगीं है। आमजन से लेकर खास तक में चर्चा हो रही शहरों में किस पार्टी की सरकार आएगी। मौजूदा समय में कई निकायों में भाजपा काबिज है सबसे ज्यादा दांव उसकी साख पर लगी है। जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी अपनी दावेदारी मजबूती से ठोंकने की तैयारी कर रही है। वहीं बहुजन पार्टी भी शहरी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के सारे पैंतरे आजमाने की जुगत लगा रही है। कांग्रेस पार्टी भी इन चुनावों में वजूद को तलाशने की तैयारी में हैं। किसको क्या मिलेगा ये तो चुनाव परिणाम ही बताएगा। पर इतना तो तय है निकाय चुनाव इसबार रोमांच जरूर पैदा करेंगे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा आगामी नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर दलितों के बीच संपर्क बढ़ाएगा। दलित लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें मोदी-योगी सरकार में मिले लाभों को निरंतर रखने के लिए भाजपा की जीत का महत्व बताया जाएगा। वहीं केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित रहे पात्र दलितों का योजनाओं में पंजीकरण कराकर लाभ दिलाया जाएगा। भाजपा के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक बीजेपी सामाजिक न्याय सप्ताह मनाएगी। इस दौरान दलित बस्तियों में चिकित्सा शिविर, सहभोज सहित अन्य सेवा के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पार्टी ने सामाजिक न्याय सप्ताह के जरिए समाज के प्रत्येक तबके और इलाके में पहुंचकर निकाय चुनाव की बिसात बिछाने की रणनीति बनाई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने न्याय सप्ताह की तैयारियों की समीक्षा की। भाजयुमो की ओर से 7 अप्रैल को जिला व मंडल स्तर पर चिकित्सा शिविर और सहभोज के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 8 अप्रैल को अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से जिला स्तर पर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। रोजगार से संबंधित जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। किसान मोर्चा की ओर से 9 अप्रैल को प्राकृतिक खेती पर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। शहरी क्षेत्र में श्रीअन्न (मोटे अनाज) को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। महिला मोर्चा के की ओर से 10 अप्रैल को अनुसूचित जाति की महिलाओं के साथ जिला स्तर पर सहभोज के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग मोर्चा की ओर से 11 अप्रैल को जिला स्तर पर महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। मोदी-योगी सरकार की ओर से पिछड़े वर्ग के लिए किए गए कार्यों की चर्चा होगी। प्रत्येक जिले में वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जाएगा। 12 अप्रैल को प्रदेश भर में नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत के सभी वार्डों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 13 को मंडल स्तर पर वृक्षारोपण अभियान एवं जलाशयों की सफाई का अभियान चलाया जाएगा। 14 को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर अनुसूचित जाति मोर्चा व पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदेश, जिला, मंडल व बूथ स्तर तक कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सपा की स्थिति में सुधार

तब जब 2017 के मुकाबले राजनीतिक समीकरण काफी बदल चुके हैं। खासतौर से मुख्य विपक्षी दल सपा के पक्ष में परिस्थितियां भी 2017 के मुकाबले काफी बदली दिख रही हैं। तब सपा के विधायकों की संख्या 47 ही थी। इस बार इनकी संख्या 111 हो चुकी है। यही नहीं, सपा की जमीन मजबूत करने में पार्टी संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव के कंधे से कंधा मिलाकर काम करने वाले शिवपाल सिंह यादव भी अब अखिलेश यादव के साथ हैं। पिछली बार दोनों एक-दूसरे के विरोध में थे। साफ है कि चाचा-भतीजे के कारण राजनीतिक परिस्थितियां पहले की तुलना में सपा के पक्ष में सुधरी दिख रही है। इस बार सपा के वोटों में 2017 के निकाय चुनाव जैसा बंटवारा होने की आशंका फिलहाल कम ही है। साथ ही 2017 के मुकाबले 2022 में ज्यादा संख्या में विधायकों की जीत भी उसके पक्ष में समीकरणों को मजबूत दिखा रही है। कारण, ये विधायक अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत दिखाने के लिए अपने क्षेत्रों के नगरीय निकायों में पार्टी उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। ऊपर से पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी के कई इलाके ऐसे हैं जहां 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने भाजपा को कड़ी चुनौती दी है।

भाजपा के लिए चुनौती बड़ी

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हो रहे नगर निकाय चुनाव भाजपा और सपा दोनों के लिए काफी अहम हैं। नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भाजपा के लिए बढ़त बनाना बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े इन निकायों में सपा समर्थित सदस्यों की अच्छी खासी संख्या है। ऐसी सीटों पर कब्जा करने के लिए भाजपा को कड़ी मशक्कत करनी पड़ सकती है। दरअसल 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत मिली थी। इसके बाद हुए निकाय चुनाव में भाजपा ने 16 में 14 नगर निगमों में महापौर की सीटें जीती थीं, लेकिन बहुत से नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में अध्यक्ष और वार्डों में सपा, बसपा और कांग्रेस व निर्दलियों ने भाजपा के प्रचंड जीत की रफ्तार को रोका था। वहीं, इस बार निकायों की संख्या भी बढ़ गई है। नए में से ज्यादातर निकाय सपा के प्रभाव वाले क्षेत्र के माने जा रहे हैं। ऐसे में परिस्थितियां तब के मुकाबले इस बार ज्यादा जटिल नजर आ रही हैं। बीते तीन निकाय चुनाव के नतीजों पर नजर डालें तो पता चलता है कि शहरी इलाकों यानी नगर निगमों में भले ही भाजपा सबसे आगे रही हो, लेकिन, कस्बाई और ग्रामीण इलाकों से जुड़ी नगर पालिका परिषदों तथा नगर पंचायतों में उसे सपा-बसपा एवं निर्दलीयों से तगड़ी चुनौती मिलती रही है। लोकसभा एवं विधानसभा में जीत के विस्तार के साथ भाजपा का नगर पालिका परिषदों में तो प्रदर्शन सुधरा, लेकिन ज्यादातर नगर पंचायतें अब भी उसकी पहुंच से दूर हैं।

भाजपा सरकार नगर निकायों की संख्या बढ़ा चल रही दांव

हालांकि वर्तमान सरकार ने कुछ नगर पालिका परिषदों को नगर निगमों में तब्दील कर, कुछ नगर पंचायतों को नगर पालिका परिषद बनाकर तथा नगर पंचायतों की संख्या में इजाफा करके लोगों को बेहतर जनसुविधाएं देने की गारंटी देने का संदेश दिया। यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह ग्रामीण इलाकों को भी नगरों जैसी सुविधा देना चाहती है । इसके जरिये उसने इन नगरीय निकायों के रहने वालों को राजनीतिक रूप से भी भाजपा के साथ लामबंद करने का प्रयास किया है । पर, अभी तक इन निकायों के चुनाव के नतीजों से संकेत यही मिल रहे हैं कि सब कुछ होने के बावजूद मतदान नजदीक आते-आते स्थानीय समीकरणों की भूमिका बढ़ जाएगी । जिसमें राजनीतिक परिस्थितियां तथा स्थानीय विधायकों की भूमिका निर्णायक होगी।

सरकार के झूठ को करेंगे उजागर : अखिलेश

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा के झूठ को उजागर कर जनता के सामने उठाएंगे। उन्होंने कहा इस चुनाव में भाजपा को पूरी टक्क्र देकर उसको उखाड़ फेंकेंगे। इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता तैयार हो जाएं। पार्टी अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत कर चुनाव लड़ेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने स्मार्ट सिटी के नाम पर जनता को धोखा दिया है। नगरों में कूड़ा भरा पड़ा है। नालियों में गंदगी है। सफाई नहीं है। व्यापारी परेशान है। नगर निकाय चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। समाजवादी पार्टी अब कांशीराम के जरिए दलित एजेंडे को धार देगी। पार्टी की रणनीति है कि जातीय जनगणना, संविधान रक्षा के साथ कांशीराम के समता और स्वाभिमान के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसकी शुरुआत सोमवार को कांशीराम की मूर्ति के अनावरण समारोह के साथ हुई। यह मूर्ति रायबरेली के दीन शाह गौरा ब्लॉक स्थित मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय में लगी। समाजवादी पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि सपा के मूल वोटबैंक के साथ दलित वोटबैंक जुड़ जाए तो सियासी वैतरणी आसानी से पार की जा सकती है। इसी रणनीति के तहत सपा ने लोहियावादियों के साथ अंबेडकरवादियों को एक मंच पर लाने की कोशिश की। बाबा साहब वाहिनी का गठन किया गया। पार्टी के दलित नेता अवधेश प्रसाद को न सिर्फ विधानसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बगल की कुर्सी दी गई बल्कि राष्ट्रीय सम्मेलन में भी वह साथ- साथ नजर आए। सपा संस्थापक रहे स्व. मुलायम सिंह यादव ने 1991 में इटावा से बसपा संस्थापक स्व. कांशीराम को चुनाव लड़ाया। इस चुनाव में भाजपा ने मुलायम सिंह के सहयोगी राम सिंह शाक्य को मैदान में उतार दिया। कांशीराम को जीत मिली और यहीं से दोनों की दोस्ती गहरी होती चली गई। वर्ष 1993 में मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम से दोस्ती कर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ा। सपा को 109 और बसपा को 67 सीटें मिली। गठबंधन ने 176 सीटें के साथ अन्य दलों को जोड़ा और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने। लेकिन दो जून 1995 को बसपा ने समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा- बसपा गठबंधन हुआ। बसपा प्रमुख मायावती ने सभी गिले-शिकवे भूलने की बात करते हुए वोट मांगा। बसपा को 10 और सपा को पांच सीटें मिलीं। कुछ समय बाद यह गठबंधन टूट गया। विधानसभा चुनाव 2022 से ठीक पहले बसपा ही नहीं बल्कि बसपा पृष्ठभूमि से निकलकर भाजपा में जाने वाले तमाम नेताओं ने सपा का रूख किया।

मायावती क्षेत्र के लोगों की आवाज उठाने वाले को देंगी टिकट

लखनऊ। बसपा प्रमुख व पूर्व यूपी सीएम मायावती ने कहा कि आगामी निकाय चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग हो सकता है ऐसें में इस कुचक्र को तोड़ना होगा। बसपा सुप्रीमो सभी कोआर्डिनेटरों, जिलाध्यक्षों के साथ मायावती ने शहरी निकाय चुनाव को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में उम्मीदवारों का चयन सोच-समझकर किया जाए। उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दें जो अपने क्षेत्र के लोगों के बीच रहते हों। उनकी आवाज उठाते हों। बनहजी ने कहा कि चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग तथा विरोधियों के हथकंडों से खुद को बचाना है। कुचक्रों को तोड़ना है। लोग इस समय महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल कानून व्यवस्था से त्रस्त हैं। भाजपा इन सब मुद्दों पर फेल हो गई है। स्मार्ट सिटी अभियान केवल कागजों में हैं । शहरों की तो छोड़ो, गांवों तक की हालत खराब है। इस सरकार ने सब कुछ ठेके पर कर दिया है। इस ठेका प्रथा के चलते स्थाई नौकरी लोगों के लिए दूर का सपना हो गई है । सरकार शह खर्चीला विकास कर ढिंढोरा पीट रही है। विकास तो केवल मुट्ठी भर सत्ताधारी लोगों का हुआ है। सपा की दलित, अति पिछड़ा व मुस्लिम समाज के प्रति खराब सोच व गलत रवैये के कारण ही पहले भी सपा बसपा का गठबंधन टूटा था। आज भी सपा भाजपा से लड़ने की बजाय बसपा को कमजोर करने का काम करने से बाज नहीं आ रही है। इसका लाभ भाजपा उठा रही है। जनता को सब याद है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यदि आज सपा कांशीराम के नाम को भुनाने की पैंतरे बाजी कर रही है जबकि उनका कांशीराम के प्रति अहसान फरामोशी का इतिहास लोगों के सामने है। इसके कारण ही वर्ष 1995 में गेस्ट हाउस कांड हुआ और सपा बसपा का गठबंधन टूटा। सपा अगर कांशीराम की मिशनरी सोच के साथ गठबंधन सरकार चलाती रहती तो यह गठबंधन आज देश पर राज कर रहा होता। इसी का लाभ आज भाजपा उठा रही है। वह निकाय चुनाव के मद्देनजर पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक ले रहीं थीं।

> “चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग तथा विरोधियों के हथकंडों से खुद को बचाना है। कुचक्रों को तोड़ना है। लोग इस समय महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल कानून व्यवस्था से त्रस्त हैं। भाजपा इन सब मुद्दों पर फेल हो गई है।
>
> मायावती, बसपा सुप्रीमो

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सोने के भाव पर लगेगा ब्रेक !

आने वाले समय में सोने की कीमतें कम हो सकती हैं। तेल उत्पादक राज्यों द्वारा क्रूड में कटौती की वजह से सोने के रेट कुछ कम हुए है। वहीं एक्सपर्ट कह रहे हैं बशर्ते कच्चे तेल और डॉलर की कीमतों पर नियंत्रण बना रहेगा तो कीमतें स्थिर रहेंगी। इस कमी का लाभ सोने के प्रमियों को मिल सकता है। गौरतलब हो कि ओपेक प्लस देशों द्वारा क्रूड में कटौती की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में जबरदस्त बिकवाली देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल 2023 के लिए सोने का वायदा अनुबंध सोमवार को कम खुला और घरेलू बाजार में 59,060 प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर चला गया। अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोने की कीमत 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,950 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई।

चांदी की कीमत आज गिरावट के साथ खुली। कारोबार शुरू होने के कुछ ही देर में ये 0.95 प्रतिशत की गिरावट पर ट्रेड कर रही थी। मई 2023 के लिए एमसीएक्स चांदी का वायदा अनुबंध 71,811 प्रति किलोग्राम पर खुला और बाजार खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर 71,437 के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में चांदी की कीमत 2 फीसदी से ज्यादा गिरकर 23.58 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई। सर्राफा बाजार के जानकारों के मुताबिक, सोना और चांदी अपने समर्थन स्तर के करीब हैं। मुंबई सर्राफा बाजार में सोने का थोक कारोबार करने वाले व्यापारी गिरावट पर खरीदारी जारी रखने की सलाह देते हैं। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का यह ट्रेंड जारी रह सकता है, बशर्ते कच्चे तेल और डॉलर की कीमतों पर नियंत्रण बना रहे। ओपेक प्लस देशों द्वारा आश्चर्यजनक रूप से तेल उत्पादन में कटौती की घोषणा से मुद्रास्फीति पर चिंता बढ़ गई है और इससे सोने की कीमतों को समर्थन मिलेगा। मुद्रास्फीति की चिंता में वृद्धि के कारण, यदि कच्चे तेल की कीमत 80 से 90 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बनी रहती है तो आर्थिक मंदी की अटकलों को बल मिल सकता है। अमेरिकी डॉलर नरमी और डॉलर इंडेक्स के मनोवैज्ञानिक 102 के स्तर पर पहुंचने के कारण आज सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। यदि डब्ल्यूपीआई कच्चा तेल 80 डॉलर से 90 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बना रहता है तो यह दुनियाभर के अधिकांश देशों के चालू खाता घाटे (कैड) को बढ़ा देगा, जिससे मंदी की अटकलों को बल मिल जाएगा जानकार सोने और चांदी के निवेशकों को गिरावट पर खरीदारी की रणनीति बनाए रखने की सलाह देते हैं, क्योंकि सोने और चांदी के लिए समग्र धारणा तेजी के पक्ष में है। सोने की कीमत 1,945 डॉलर से 1,980 डॉलर प्रति औंस के दायरे में है, जबकि चांदी की कीमत आज 22 डॉलर से 24 डॉलर प्रति औंस के दायरे में है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

> **“ओपेक प्लस देशों द्वारा क्रूड में कटौती की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में जबरदस्त बिकवाली देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल 2023 के लिए सोने का वायदा अनुबंध सोमवार को कम खुला और घरेलू बाजार में 59,060 प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर चला गया। अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोने की कीमत 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,950 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई।**

कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने का वक्त

□□□ **सुरेश सेठ**

आम नागरिक यदि परेशान है तो यह सुशासन नहीं है। 'अहिंसा परमो धर्म' व 'वसुधैव कुटुम्बकम' जैसे संदेश तो जैसे हवा होते नजर आ रहे हैं। यदि माफिया डॉन, तस्करों और आतंकवादियों का बोलबाला नजर आए तो चुनौतियों से जूझते आम आदमी की जिंदगी और भी कठिन हो जाती है। पिछले दिनों पंजाब में केन्द्र से आई बटालियनें और पंजाब पुलिस सीमांत प्रांत में राष्ट्रीयता के लिए जूझती नजर आईं। राष्ट्रीय संप्रभुता को चुनौती देती सशस्त्र कोशिश आम आदमी को परेशान करती है। लेकिन इसके बावजूद चुनौती देने वाले का बच निकलना भी चिंता की बात है। वहीं उत्तर प्रदेश में माफिया डान को सजा बताती है कि चुनाव आयोग की चिंता के बाद कैसे ये लोग जनप्रतिनिधि संस्थाओं में पहुंच जाते हैं? सवाल यह कि कैसे आरोपितों को जनप्रतिनिधि बनने से रोका जाना चाहिए।

खैर, आम आदमी की इच्छा तो यही है कि राज्य में शांति स्थापित हो, देश में अहिंसा के मूल्य सामने आएं। चाहे अमृतपाल हो या अतीक अहमद, माफिया डॉनों का हाथ आम जिंदगी के ऊपर नहीं होना चाहिए। इसके बावजूद लोग प्रशासन-शासन की कार्यक्षमता में विश्वास के साथ अच्छे दिनों की आस रखते हैं। नैतिक मूल्य पुन: स्थापित होंगे। सवाल ये है कि जिन अपराधियों की जगह जेल है, वे हमारी संसद और विधानसभाओं में क्यों पहुंचते हैं? पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद यहां जो बंदूक कल्चर और फिरौती का माहौल दिखा है, यह माहौल खत्म होना चाहिए। माफियागीरी पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जॉर्ज बर्नार्ड शा का यह कथन कि राजनीति बदमाशों और गुंडों का अंतिम शरणस्थल है, यह समाप्त हो। कानून व्यवस्था सुधरे ताकि शांति की स्थापना समाज में हो। फिलहाल पंजाब ने राहत की सांस ली है। इससे पहले पंजाब की शांति को भंग करने के लिए कुछ अलगाववादी उतारू थे। कट्टरता व सांप्रदायिकता के खिलाफ जिस तरीके से पंजाब के नागरिकों ने प्रतिक्रिया दी, उससे विश्वास जगा कि पंजाब में सामान्य जिंदगी चलती रहेगी। अब इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय आम आदमी की रोटी, कपड़े और मकान आदि की समस्या की ओर अधिक ध्यान दिया जाए।

इसी संदर्भ में जहां हम प्रशासन से निष्पक्ष रूप से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, राजनीतिज्ञों से वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर आम आदमी को बेहतर जीवन देने के लिए प्रतिबद्धता की उम्मीद करते हैं। वहीं न्यायपालिका ने सजगता से बिलकीस बानो के मामले में गुजरात सरकार, केन्द्र व दोषियों को जो नोटिस दिया है, उसने न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा बढ़ाया है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय से दोषियों की रिहाई की अनुमति से जुड़ी फाइल मांगी गई है। बिलकीस बानो ने याचिका में कहा था कि दोषियों की समय से पहले रिहाई उसके व परिवार के लिये घातक है। बेशक विद्रूप का माहौल एक दिन में नहीं बदलेगा लेकिन शासन की इच्छाशक्ति व जन जागरूकता से तस्वीर बदलेगी। लोग शांति से जीना चाहते हैं और माफिया, आतंकी गठजोड़ों को और बर्दाश्त करने के लिए अभी तैयार नहीं हैं। बहरहाल, सरहदी राज्यों में शासन-प्रशासन में पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन अपरिहार्य है। हाल ही की तो स्थिति ऐसी आदर्श नहीं है, जो वक्त की जरूरत है। आम आदमी के लिये वैसी नहीं है, जैसी कि भाषणों में उसे मिलती है। इसीलिए भाषणों, दावों और आंकड़ों की इस दुनिया से परे जाकर आम आदमी को वह जिंदगी मिलनी चाहिए जिसका वादा हमारे नीति-नियंता करते हैं। लेकिन जब तक कानून और व्यवस्था के अहलकार अभियुक्तों को जब तक सख्त दंड देने के लिये प्रतिबद्ध नहीं होते तब तक आम आदमी बार-बार मोहभंग की स्थिति में आता रहे तो इसमें हैरानी क्या? हमारे आसपास जो घट रहा है और जैसी नकारात्मक खबरें आती हैं, वे परेशान करने वाली हैं। रिश्तों की मौत हो रही है। नशे से ग्रस्त युवा पीढ़ी अपनी पत्नी, बच्चों और मां-बाप तक की हत्याएं करने से चूक नहीं रही। अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं व्यवस्था सुधर जाने के सभी दावों के बावजूद बार-बार घटती नजर आती हैं। ऐसी स्थिति में अगर जो अपराधी है, उसे तत्काल दंड न मिले तो आम नागरिक का भरोसा राष्ट्र व्यवस्था में बनता नहीं। अभी तो स्थिति यह है कि अपराधी गिरफ्त में आने के बावजूद अदालतों में तारीख-दर-तारीख और जांच प्रक्रिया बार-बार स्थगित होने की आड़ में बच निकलते हैं।

इनकी बेशर्मी तो देखिए कि ये चुनाव प्रक्रिया में कूदकर क्रांतिकारी होने का दम भी भरते हैं। यह स्थिति बदलनी चाहिए। हमारे शासन प्रशासन का दायित्व है कि आम आदमी का भरोसा कानून-व्यवस्था में स्थापित करने की ईमानदार कोशिश करे। पिछले दिनों में घटी घटनाएं, चाहे अतीक अहमद की हों या अमृतपाल की, आम आदमी को आगाह करती हैं। आमजन चाहता है कि ये दिन अब और न रहें।

कोविड उत्पत्ति स्रोत के यक्ष प्रश्न

□□□ **मुकुल व्यास**

कोविड की उत्पत्ति को लेकर एक बार फिर दुनिया के वैज्ञानिकों के बीच बहस छिड़ गई है। वैज्ञानिकों के एक दल ने कोविड की उत्पत्ति को चीन में वुहान की जानवरों की मंडी में बेचे जाने वाले रेकून कुत्तों से जोड़ा है। ऑनलाइन प्रकाशित एक शोधपत्र में उन्होंने कहा है कि वुहान की मंडी में 2019 के अंत में बेचे गए रेकून कुत्ते कोविड के वाहक थे। रेकून कुत्ते लोमड़ी जैसे स्तनधारी जानवर हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि रेकून कुत्तों और कोविड को आश्रय देने वाले अन्य जानवरों की आनुवंशिक सामग्री कुछ ऐसे ही स्टालों में स्थित थी जहां प्रारंभिक प्रकोप के समय सार्स-कोव-2 का जीनोम भी मौजूद था। जानवरों की कुछ आनुवंशिक सामग्री आरएनए प्रतीत होती है। इस सामग्री को बाजार बंद होने के कुछ दिनों या हफ्तों बाद एकत्र किया गया था।

स्पष्ट है कि नमूने एकत्र किए जाने से ठीक पहले ये जानवर मौजूद थे। इस तरह वे मनुष्यों में वायरस को प्रसारित करने के लिए एक संभावित वाहक बन गए। वैज्ञानिकों ने अपनी रिपोर्ट के साथ डेटा उपलब्ध नहीं कराया है जिससे स्वतंत्र विशेषज्ञों के लिए इन निष्कर्षों की जांच करना असंभव हो गया है। कुछ लोगों ने रिपोर्ट की आलोचना भी की है क्योंकि यह सिर्फ रेकून कुत्ते के संक्रमित होने का सबूत देती है। नई रिपोर्ट तैयार करने वाले वैज्ञानिकों में कैलिफोर्निया के ला जोला स्थित स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टिट्यूट के डेनिश जीवविज्ञानी डॉ. क्रिस्टियन एंडरसन शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने अपने पेपर में कहा कि हमारे निष्कर्ष कोविड की प्राकृतिक उत्पत्ति का समर्थन करने वाले साक्ष्यों को मजबूत करते हैं। लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने इस निष्कर्ष पर संदेह जताया है क्योंकि डेटा यह पुष्टि नहीं करता कि वायरस जानवर से इंसानों में फैला। एक संभावना यह है कि वायरस किसी व्यक्ति से एक रेकून कुत्ते में पहुंचा होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन की डॉक्टर मारिया वान केरखोव ने कहा कि रिपोर्ट में कोई पुख्ता सबूत नहीं है। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अमेरिकी ऊर्जा विभाग दोनों मानते हैं कि कोविड महामारी की उत्पत्ति मानव निर्मित है। कुछ विशेषज्ञों का यह भी दावा है कि कोविड का अनोखा स्पाइक प्रोटीन, जिसका इस्तेमाल वह लोगों को संक्रमित करने के लिए करता है, मानव इंजीनियरिंग की पहचान दिखाता है। कोरोना वायरस की प्राकृतिक या मानव निर्मित उत्पत्ति के लिए प्रत्यक्ष और निर्णायक साक्ष्य अभी तक सामने नहीं आए हैं।

इस बीच हम नियमित रूप से नए उभरते हुए वायरसों के प्रकोप के बारे में सुन रहे हैं। यह सही है कि कोविड महामारी के दौरान विकसित की गई बेहतर तकनीक की बदौलत हम वायरसों के प्रकोप का बेहतर ढंग से पता लगाने में सक्षम हुए हैं, लेकिन वायरसों का खौफ खत्म नहीं हुआ है। दुनिया में करीब 17 लाख वायरसों की पहचान की जानी बाकी है जो इस समय स्तनधारियों और पक्षियों को संक्रमित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इनमें से 8 लाख से ज्यादा वायरस मनुष्यों को संक्रमित करने की क्षमता रखते हैं।

वायरस कैसे उत्पन्न होते हैं, यह समझने के लिए कि हमें पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत को देखना होगा। शुरू-शुरू में वायरस कैसे अस्तित्व में आए, इसके बारे में कई सिद्धांत हैं, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि वायरस अरबों वर्षों से जीवों के साथ-साथ विकसित हो रहे हैं। जब उनके स्थिर सह-विकास में बाधा आती है तब हम मुश्किल में पड़ सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मानव आबादी में वायरसों के उभरने का मुख्य कारण मनुष्य और उसकी गतिविधियां हैं। 10,000 साल पहले कृषि एक आम प्रथा बन गई थी और इसके साथ ही मनुष्यों का जानवरों के साथ निकट संपर्क होना शुरू हो गया था। इसने उन वायरसों के लिए अवसर प्रदान किया जो कुदरती रूप से इन जानवरों को संक्रमित करते हैं। इन जानवरों के माध्यम से वे वहां मनुष्यों में छलांग लगाने लगे। इसे जूनोसिस कहा जाता है। नए उभरने वाले लगभग 75 प्रतिशत संक्रामक रोग जूनोसिस के कारण होते हैं। जैसे-जैसे मानव सभ्यता और प्रौद्योगिकी उन्नत हुई, जानवरों के आवासों के विनाश ने जानवरों को खाद्य स्रोतों की तलाश में नए क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर कर दिया।

विभिन्न प्रजातियां जो आमतौर पर संपर्क में नहीं थीं, एक ही वातावरण को साझा करने लगीं। इस समीकरण में मनुष्यों को जोड़ दिया जाए तो आपके पास एक नए वायरस के उभरने का नुस्खा तैयार हो जाता है। शहरीकरण हमेशा उच्च जनसंख्या घनत्व की ओर जाता है। इससे वायरस के प्रसार के लिए आदर्श परिस्थितियां बनती है। कस्बों और शहरों का तेजी से विकास अक्सर स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल जैसे बुनियादी ढांचे को पीछे छोड़ देता है, जिससे वायरस के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन भी वायरस के प्रसार में योगदान दे रहा है। उदाहरण के लिए नए क्षेत्रों में मच्छरों जैसे आर्थोपोड्स जीवों द्वारा फैलने वाले वायरसों का पता लग रहा है क्योंकि मच्छरों के जीवित रहने का दायरा बढ़ रहा है। कोविड महामारी के दौरान विज्ञान अभूतपूर्व रफ्तार से आगे बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप वायरस के प्रकोप और विकास की निगरानी के लिए नए और बेहतर तरीकों का विकास हुआ है। अब कोरोना वायरस पर नजर रखने वाले कई वैज्ञानिक अपना ध्यान अन्य वायरसों की निगरानी पर भी लगा रहे हैं। निगरानी महामारी की तैयारी का केवल एक हिस्सा है।

ऑप्टोमेट्री में है शानदार करियर

ऑप्टोमेट्री का कोर्स करने के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान गणित या जीव विज्ञान तथा अंग्रेजी विषय से होना चाहिए। साथ ही ऑप्टोमेट्री कोर्स में प्रवेश पाने के लिए एक केंद्रीकृत संयुक्त प्रवेश परीक्षा आइसेट आयोजित होती है। मेडिकल साइंस की दूसरी विधाओं की तरह ऑप्टोमेट्री भी एक प्रकार का विज्ञान है, जो मनुष्य की आंखों की कार्यप्रणाली के साथ-साथ आंखों का सही परीक्षण, रोगों की सही पहचान और सही इलाज से संबंधित है। इस विषय के तहत ऑप्टिकल सिस्टम, ऑप्टिकल लेंस के इस्तेमाल, रिफ्रेक्टिव एरर इत्यादि क्षेत्रों का अध्ययन किया जाता है। ऑप्टोमेट्री की प्रैक्टिस करने वाले डाक्टर ऑप्टोमेट्रिस्ट कहलाते हैं, जो आंखों की देखभाल और दृष्टि संबंधी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता हैं। यही चश्मे या कांटक्ट लेंस पहनने के बारे में सुझाव भी देते हैं। इसके अलावा, आम बीमारियों और समस्याओं के लिए दवा भी सुझाते हैं। यही प्रोफेशनल मोतियाबिंद आदि के मरीजों को आपरेशन के पूर्व और उसके पश्चात आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं।

मासिक वेतन

एक पेशेवर ऑप्टोमेट्रिस्ट को शुरुआत में 15 से 20 हजार रुपये तक मासिक वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव और स्किल के बल पर इस क्षेत्र में आय भी लगातार बढ़ती रहती है।

आवश्यक कौशल

पढ़ाई के अलावा अगर आपमें व्यावहारिक गुण और कुछ जरूरी मूल्यवान कौशल भी होंगे, तो इस दिशा में तेजी से करियर की सीढ़ियां चढ़ सकते हैं। अगर आवश्यक गुणों की बात करें, तो इसमें ग्राहकों की बातों को धैयपूर्वक सुनने, सेवाभावी दृष्टिकोण, अनुशासन, मिलनसार, टीम भावना, समस्या समाधान में कुशलता जैसी खूबियां होनी चाहिए।

करियर के मौके

हेल्थकेयर सेक्टर के इस क्षेत्र में करियर की काफी अच्छी संभावनाएं हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि ऑप्टोमेट्रिक की प्रैक्टिस करने वालों के लिए देश और विदेश दोनों जगहों पर नौकरी के अवसर हैं। बतौर ऑप्टोमेट्रिस्ट आप अस्पतालों और क्लिनिक्स में अपनी सेवाएं दे सकते हैं, जहां नेत्ररोग चिकित्सकों की सहायता करनी होती है। चाहें तो स्वयं की ऑप्टिकल्स शाप भी खोल सकते हैं। इसके अलावा, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव के रूप में चश्मा या लेंस निर्माता कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। किसी एनजीओं में अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

कोर्स एवं योग्यता

ऑप्टोमेट्री का कोर्स करने के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित या जीव विज्ञान तथा अंग्रेजी विषय से होना चाहिए। साथ ही ऑप्टोमेट्री कोर्स में प्रवेश पाने के लिए एक केंद्रीकृत संयुक्त प्रवेश परीक्षा आइसेट आयोजित होती है, जो पूरे देश में मान्य है। यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसके पहले तीन वर्षों में सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है और अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप कराई जाती है, जो कि क्लिनिकल और ट्रेड एक्सपीरियंस के तहत होती है। आप चाहें तो ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा भी कर सकते हैं, जो दो वर्ष का होता है। इसके लिए भी पीसीएम से 12वीं पास होना चाहिए। कोर्स के दौरान ऑप्टिकल उपकरणों की जानकारी, फिजिकल ऑप्टिक्स, फिजियोलाजी, जनरल एनाटामी, आंखों की असमानता, दृष्टि दोष मापने, सुधारने की विधि आदि सिखाई जाती है।

हंसना मना है

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा- ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न-पगली रुलाएगी क्या? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति - तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी - तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है, ऐसी जिंदगी पर।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

डॉक्टर- यह सब कैसे हुआ? घायल मरीज- एक लड़की ने मेरी टांग पर गाड़ी चढ़ा दी। डॉक्टर- सड़क से दूर, फुटपाथ पर चलना चाहिए था न घायल मरीज- मैं तो गार्डन में लेटा हुआ था।

कहानी

भूत का भय

उत्तर प्रदेश के एक पीरगढ़ गांव में अब्दुल व उसके कुछ दोस्त रहते थे। एक दिन ऐसे ही उन सभी के बीच भूत की बात छिड़ गई। इस दौरान अब्दुल ने बिना डरे कह दिया कि भूत जैसा कुछ नहीं होता। तभी सभी दोस्तों ने उससे कहा कि ऐसा है तो क्या तुम इस बात को साबित कर सकते हो कि तुम्हें भूत से डर नहीं लगता। उसने कह दिया, हां, बिल्कुल। गांव में इस दौरान ऐसी बातें चल रही थीं कि पास के ही श्मशान घाट में लोगों को भूत नजर आता है। तभी एक दोस्त ने कहा कि ठीक है, तो तुम रात को श्मशान घाट जाओ और वहां जाकर कील गाड़कर आ जाना। फिर सुबह सब मिलकर उस कील को देखकर आएंगे। इतना तय होने के बाद अब्दुल श्मशान घाट के लिए निकल गया। रात काफी काली थी, क्योंकि वो रात आमावस्या की थी। रास्ते में चलते हुए अब्दुल के दिमाग में भूत की बातें घूमने लगी। उसे डर भी लग रहा था, लेकिन दोस्तों के सामने हंसी होगी ऐसा सोचकर वो आगे बढ़ता रहा और श्मशान घाट पहुंच गया। वहां पहुंचते ही अब्दुल ने कील को गाड़ने के लिए जेब से हथौड़ी निकाली और कील को जमीन में धीरे-धीरे गाड़ने लगा। शोर ज्यादा न करने के चक्कर में अब्दुल काफी आराम से कील गाड़ रहा था। कुछ देर बाद उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। उसका पूरा शरीर ठंडा पड़ गया और वो बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। तभी अब्दुल का पीछा करते हुए श्मशान पहुंचे उसके दोस्तों ने उसे उठाया और गांव लेकर आ गए। काफी देर तक जब अब्दुल को होश नहीं आया, तो उसपर पानी के छींटे मारे। उतने में ही अब्दुल को होश आ गया और उसने बताया कि वो कील श्मशान में गाड़ चुका था, लेकिन तभी कोई उसका कुर्ता खींचने लगा, जिससे वो डर गया। दोस्तों ने अब्दुल को बताया कि कोई उसका कुर्ता नहीं खींच रहा था। अब्दुल ने पूछा, तो क्या हुआ था? तब उसके दोस्तों ने बताया कि जिस कील को जमीन में वो गाड़ रहा था उसी के नीचे कुर्ता भी दब गया था। इसी वजह से उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। अपने डर की वजह से शर्मिंदा होते हुए अब्दुल ने अपने दोस्तों से माफी मांगी, लेकिन उसके सारे दोस्तों ने मिलकर उसकी हिम्मत की खूब तारीफ की।

7 अंतर खोजें

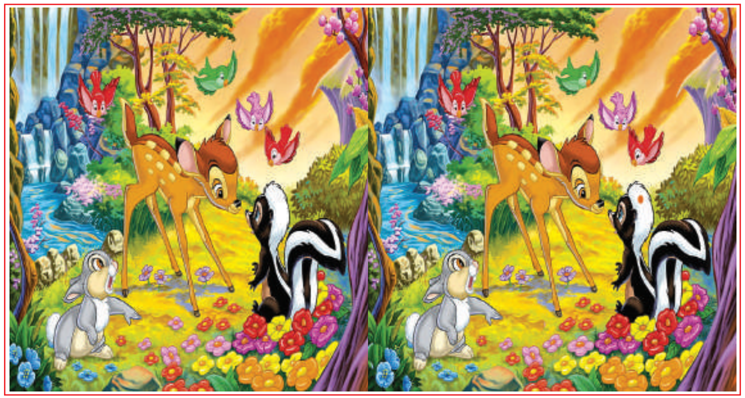

पंडित संदीप
आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज काफी चिंता मग्न रहेंगे और इसलिए आपके जीवन में निराशा और सुस्ती रहेगी लेकिन संध्या होते होते आपकी उर्जा वापस लौट आएगी और खर्चों में कमी होगी।

वृषभ आज किए गए कामों से आपको फायदा होगा। घर पर अलग-अलग पकवान का आनंद उठाएंगे। किस्मत का साथ बना रहेगा। बाहर जाने से बचे, बेहतर रहेगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए सफलता के नए द्वार खोल सकता है। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन से असंतुष्ट भी रह सकते हैं।

कर्क आज आप अपने भाई बहनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अपने मित्रों को भी फोन पर अपने दिल का हाल सुनाएंगे। इससे आज का दिन बढ़िया बीतेगा।

सिंह आज पारिवारिक जीवन सुखद बना रहेगा। जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा। अपने व्यक्तित्व के दम पर आप समाज के कुछ लोगों को भी अपने फेवर में कर लेंगे।

कन्या घर में किसी से अनबन हो सकती है, वाणी पर संयम रखें। भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं।

तुला आज आप अपने जीवन साथी के साथ बहुत समय बिताएंगे और रिश्ते में आ रही दूरियों को कम करने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी को खुशी होगी।

वृश्चिक आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आप किसी भी तरह आज अपना काम पूरा कर लेंगे। परिवार के लोगों से आपको मदद भी मिलती रहेगी।

धनु ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी है कि आपको मेहनत के मुकाबले कम फल मिलेगा। अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा।

मकर आप आज धर्म-कर्म के कामों में लगेंगे। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। परिवार के छोटों को साथ लेकर कोई योजना बनाएंगे। नौकरी करने वालों के लिए दिन अच्छा है।

कुम्भ आज पुरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप कोई ऐसा कामकरेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी। किसी भी नए ऑफर के लिए आप तैयार रहेंगे।

मीन आज का दिन उन्नतिकारक और आय-संपत्ति के लिए शुभ हो सकता है। निराशा से बचें। आपके परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

भोजपुरी | मसाला

नगमा संग अपने अफेयर पर रवि किशन ने तोड़ी चुप्पी

मैं और नगमा अच्छे दोस्त थे

भोजपुरी इंडस्ट्री के लोकप्रिय एक्टर रवि किशन आज किसी भी पहचान के मोहताज नहीं है। रवि ने इंडस्ट्री में अपने अभिनय से पहचान हासिल की है। भोजपुरी सिनेमा के अलावा रवि किशन बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। साथ ही उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी तमाम सीरियल में काम किया है। इंडस्ट्री में एक समय ऐसा था, जब रवि का नाम अभिनेत्री नगमा के साथ जुड़ा था और उस समय उनके अफेयर की खबरें काफी चर्चा में थी। अब रवि ने इस इस पर चुप्पी तोड़ते हुए इसके पीछे की असल बात का खुलासा किया है। एक तरफ तो बीते कुछ दिनों पहले रवि ने एक इंटरव्यू में अपनी बीवी को अपना सब कुछ बताते हुए कहा था कि बिग बॉस में पार्टिसिपेट करने का उनका जरा भी मन नहीं था। उन्होंने इस शो में अपनी बीवी के कहने पर ही हिस्सा लिया था, जिसके बाद उनकी पूरी लाइफ बदल गई थी। अब रवि ने अभिनेत्री नगमा संग अपने रिश्ते का भी खुलासा किया है।

अपने हालिया इंटरव्यू में रवि ने शादीशुदा होने के बावजूद नगमा संग अपने अफेयर पर चुप्पी तोड़ी और बताया कि उस वक्त उनकी और नगमा की फिल्में ब्लॉकबस्टर हुआ करती थीं। इसलिए दोनों ने काफी सारी फिल्मों में काम किया है। फिल्मों में साथ में काम करने की वजह से लोगों ने उनके अफेयर की खबरें उड़ा दी थी। हालांकि, वह दोनों केवल अच्छे दोस्त ही थे। रवि ने आगे कहा कि यह बात सब जानते हैं कि वह शादीशुदा है और अपनी बीवी से काफी प्यार और इज्जत करते हैं। सबसे अहम बात की वह अपनी बीवी से काफी डरते भी हैं। यही नहीं, वह अपनी पत्नी के पैर भी छूते हैं। रवि ने यह भी बताया कि एक समय ऐसा था, जब उनके पास पैसे नहीं थे। इस परिस्थिति में भी उनकी बीवी हमेशा उनके साथ खड़ी रहीं और हर कदम पर उनका साथ दिया था।

बादशाह ने अपनी शादी की खबर को बताया अफवाह

बादशाह अपने गानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। एक बार फिर रैपर सुर्खियों में बने हुए हैं, इस बार सिंगर अपने गाने की वजह से नहीं बल्कि शादी की खबरों के लेकर सुर्खियों में है। हाल ही में बादशाह को लेकर खबर आ रही थी वह शादी करने वाले हैं। शादी की खबर महज अफवाह है, रैपर ने इस बात का खुद खुलासा किया है।

रैपर बादशाह ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर अपनी शादी की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने पोस्ट शेयर कर क्लियर किया है कि उनकी शादी को लेकर जो खबरें आ रही है वह अफवाह है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- डियर मीडिया मैं आपकी इज्जत करता हूं लेकिन यह बहुत ही बचकानी हरकत है। मैं शादी नहीं करने वाला, जो भी आपको खबरें दे रहा है उसे बेहतर मसाला ढूंढने की जरुरत है।

बादशाह ने जैस्मिन से साल 2015 में शादी की थी। उनकी शादी ज्यादा लंबी नहीं चली। साल 2019 में दोनों एक दूसरे से अलग हो गए। इसके बाद बादशाह ने दूसरी शादी नहीं की है। बादशाह आज के समय में पॉपुलर रैपर हैं लेकिन उनका यहां तक का सफर इतना आसान नहीं था। बादशाह पहली सैटरडे सैटरडे गाने से लाइमलाइट में आए। इस सॉन्ग में उन्होंने अपनी आवाज दी थी। इसके बाद उनका गाना डीजे वाला बाबू भी काफी पॉपुलर हुआ। बादशाह अभी तक कई हिट सॉन्ग में काम कर चुके हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

शादी के लिए अंधे पागल की तलाश में हूं: सारा अली खान

बॉलीवुड की सबसे चुलबुली एक्ट्रेस कही जाने वाली सारा अली खान हाल ही में शहनाज गिल के शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल में पहुंची जहां पर उन्होंने अपनी वेडिंग प्लान्स को लेकर बातचीत की। चैट शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल में बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल ने सारा से उनकी शादी को लेकर एक सवाल किया। सावल का जवाब धड़ल्ले से देते हुए सारा ने एक काफी मजेदार बात कही। सारा ने बताया कि उन्हें अपनी शादी की कोई जल्दबाजी नहीं हैं। अभी तक उन्हें कोई पार्टनर भी नहीं मिला है। लेकिन वह शादी के लिए किसी अंधे पागल की तलाश में जरूर हैं। इस बात को लेकर जब शहनाज ने उनसे पूछा कि अंधा पागल क्यों? तो इस पर सारा ने कहा, मुझे लगता है कि अंधा पागल जरूरी होगा, क्योंकि अगर उसके पास दिमाग होगा तो वह मुझे जान लेगा, पहचान लेगा और फिर कहीं वह भाग तो नहीं जाएगा। मुझे झेलने वाला चाहिए। सारा अली खान को इंडस्ट्री में 4 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने केदारनाथ और सिंबा जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। फिलहाल एक्ट्रेस की नई वेबसीरीज गैसलाइट डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। इस सीरीज में सारा के अलावा चित्रांगदा सिंह और विक्रांत मेसी भी बतौर लीड एक्टर अभिनय कर रहे हैं।

वो हत्यारा कीड़ा, जो मिनटों में तमाम कर सकता है 26 लोगों का काम!

जितनी अनछुई अंतरिक्ष की दुनिया है, उतनी ही रहस्यों से भरी हुई समंदर के अंदर की दुनिया है। इसमें छिपे बहुत से क्रीचर्स को तो हम जानते हैं लेकिन कुछ से हम अनजान हैं। न तो हमें उनकी अच्छाई पता है और न ही उनसे जुड़े हुए खतरे। एक ऐसे ही कीड़े के बारे में हम आपको आज बताने जा रहे हैं, जो स्वस्थ इंसान को भी मिनटों में मौत की नींद सुला सकता है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक एक शख्स अपने कुत्ते को वॉक पर ले गया था, जहां उसे एक ऐसा खतरनाक समुद्री जीव मिला, जो इंसानों को मिनटों में मौत दे सकता है। जेसी डोनिसन (Jesse Donnison) ने बताया कि उनका कुत्ता ओटो ऑस्ट्रेलिया में ब्लैकवॉटल बे बीच पर खेल रहा था, तभी उसे पानी में कुछ अलग दिखाई दिया। यहीं उनका एनकाउंटर समंदर के खतरनाक कीड़े से हुआ। डॉग को समुद्र की लहरों के बीच से एक खिलौना जैसा कुछ दिखाई दिया। चूंकि ये डॉग टॉय जैसा लग रहा था, ऐसे में कुत्ता उसे उठाकर ले आया। जब इसके अंदर से कुछ बाहर आता हुआ दिखा, तो कुत्ता डर गया। वहीं डोनिसन ने खुद देखा कि टॉय के अंदर से ब्लू रिंग वाला एक ऑक्टोपस बाहर आ रहा था। ये सबसे ज़हरीले समुद्री जीवों में से एक होता है। वो तो अच्छा था कि उन्हें इसके बारे में पता था और उन्होंने किसी तरह बॉल को दूर फेंका। वहीं डॉग उस बॉल के पीछे पड़ा हुआ था, लेकिन गनीमत ये रही कि उसे कुछ हुआ नहीं। डोनिसन के मुताबिक समुद्री शैवाल के रंग के इस कीड़े के शरीर पर नीले रंग के रिंग्स बने हुए होते हैं। अगर ये किसी को काटता भी है, तो दर्द नहीं होता क्योंकि ये काफी छोटा होता है। हालांकि इसका ज़हर 26 लोगों को मिनटों में इस दुनिया से विदा कर सकता है। इसके लक्षणों में लकवा, हार्ट फेल, अंधापन या फिर दम घुटना होता है और आखिरकार मौत हो जाती है

अजब-गजब

डॉग के अपने मालिक के प्रति वफादारी पर बनी पिक्चर

चीन में कुत्ते अपने मालिक के साथ सिनेमा हॉल में देख रहे हैं फिल्म

दुनिया में जब भी वफादारी की बात आती है, तो सबसे पहला नाम कुत्तों का ही आता है। पालतू जानवरों के तौर पर ये सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं और ये अपने मालिकों से भावनात्मक तौर जुड़ भी जाते हैं। यही वजह है कि डॉग्स की वफादारी की तमाम कहानियां न सिर्फ सुनने को मिलती हैं, बल्कि उन्हें सिनेमा के ज़रिये लोगों के सामने रखा जाता है।

पड़ोसी देश चीन में लोग अपने डॉग्स को साथ लेकर एक खास फिल्म दिखाने ले जा रहे हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ये फिल्म एक जापानी फिल्म का चाइनीज़ वर्ज़न है और ये कहानी एक डॉग और उसके मास्टर की है। अब कहानी डॉग्स के बारे में है तो लोग इसे दिखाने के लिए डॉग्स को साथ लेकर जाते हैं ताकि वो कुछ देखकर सीख सके।

चीन की सोशल मीडिया साइट पर 25 मार्च को डाली गई एक वीडियो पोस्ट में लोगों को अपने पेट डॉग्स के साथ सिनेमा हॉल जाते हुए देखा गया। आमतौर पर कोई भी पालतू जानवरों को थियेटर में नहीं ले जाता है, लेकिन यहां अलग ही नज़ारा था। ये कुत्तों के लिए एक एजुकेशनल ईवेंट जैसी चीज़ थी, ताकि फिल्म देखकर वे कुछ सीख सकें। वैसे तो फिल्म 31 मार्च को रिलीज हुई है, लेकिन इससे पहले स्क्रीनिंग ईवेंट रखे गए थे, जिसमें लोगों की बेतहाशा भीड़ देखी गई। सोशल मीडिया पर लोगों ने वीडियो देखकर मज़ाक करना शुरू कर दिया। एक यूज़र ने लिखा- ये उनके लिए पढ़ाई जैसा है तो वहीं कुछ ने कहा कि अब ये पिक्चर देखने के बाद रिव्यू भी लिखेंगे। क्या है फिल्म की कहानी? ये ओरिजनल फिल्म जापानी भाषा में बनी है, जिसका नाम है - Hachiko Monogatari। 1987 में आई ये फिल्म एक प्रोफेसर और उनके पेट डॉग के बीच बॉन्डिंग की है। फिल्म में डॉग अपने ओनर की मौत के बाद भी उनका रेलवे स्टेशन पर तब तक इंतज़ार करता रहता है, जब तक कि उनकी मौत नहीं हो जाती। इस कहानी का अमेरिकन रिमेक 2009 में बनाया गया था और अब चाइनीज़ वर्ज़न भी तैयार किया गया है। ये कहानी एक रियल लाइफ डॉग की अपने मालिक के प्रति वफादारी की है।

राहुल पर गर्व और पूरा विश्वास: सलमान खुर्शीद

बोले-संसद सदस्यता को लेकर चल रही लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

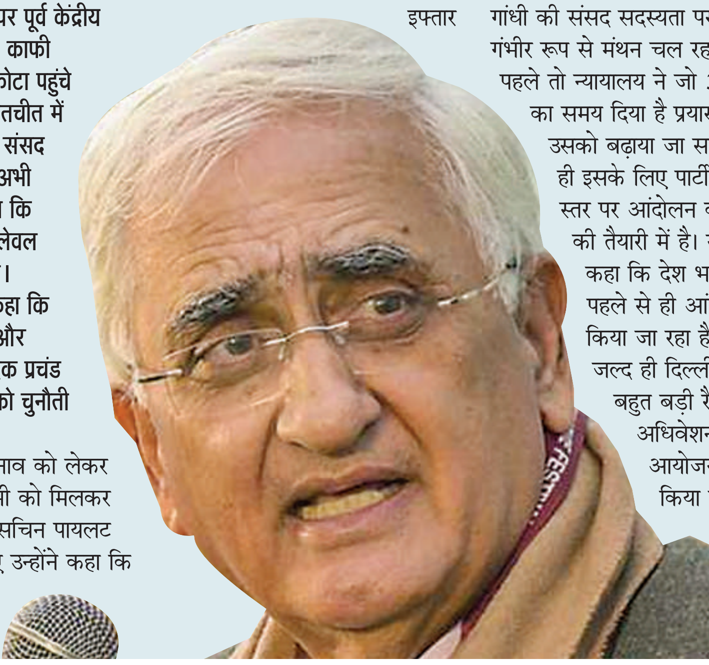

कोटा। राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त होने की बात पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद काफी सकारात्मक दिखे। कोटा पहुंचे खुर्शीद मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी संसद सदस्यता में पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी इसके लिए दो लेवल पर लड़ाई लड़ रही है। सलमान खुर्शीद ने कहा कि राहुल गांधी पर गर्व और विश्वास है। उन्होंने एक प्रचंड बहुमत की सरकार को चुनौती दी है।

विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर साथ चलना होगा। सचिन पायलट की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वे ऊर्जावान नेता हैं। सभी को चुनाव मिलकर लड़ना होगा। खुर्शीद कोटा के दौरे पर थे। वे यहां रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। खुर्शीद ने बातचीत में कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता पर पार्टी में गंभीर रूप से मंथन चल रहा है।

पहले तो न्यायालय ने जो 30 दिन का समय दिया है प्रयास है कि उसको बढ़ाया जा सके। साथ ही इसके लिए पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की करने की तैयारी में है। खुर्शीद ने कहा कि देश भर में पहले से ही आंदोलन किया जा रहा है और जल्द ही दिल्ली में बहुत बड़ी रैली और अधिवेशन का आयोजन भी किया जाएगा।

पंजाब की कानून-व्यवस्था चरमराई: सिद्धू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंड़ीगढ़। जेल से रिहा पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की सुरक्षा घटा दी गई है। उनकी सुरक्षा जेड प्लस से कम कर वाई प्लस कर दी गई है। वह दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के घर उनके परिजनों से मिलने पहुंचे नवजोत सिंह सिद्धू ने सुरक्षा घटाने पर प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि जो मूसेवाला के साथ हुआ, वही मेरे साथ हो रहा है। वह चाहते हैं कि मैं घर से न निकलूं लेकिन मुझे किसी का भय नहीं है। पंजाब में कानून व्यवस्था डगमगा गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री बहुत कुछ कर सकते हैं लेकिन सरकार का ध्यान नहीं है। पुलिस कमजोर नहीं होती, उसको ऑर्डर कमजोर करते हैं।

सिद्धू ने कहा कि विरोधी पार्टियों में भी कुछ लोग अच्छे बैठे हैं। सामूहिक एकता से पंजाब को बचाया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस में भी बहुत काबिल लोग हैं लेकिन सरकार को उनसे काम लेना आना चाहिए है। सरकार की हालात यह हो गई है कि उनके अपने विधायक विरोध करने लगे हैं।

वहीं नवजोत सिंह सिद्धू के जेल से बाहर आते ही पंजाब कांग्रेस में हलचल मची है? हालांकि, अभी तक पंजाब कांग्रेस के किसी बड़े नेता ने उनसे मुलाकात नहीं की है वहीं कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व का नवजोत सिद्धू से प्यार बरकरार है। सूत्रों के अनुसार, रविवार को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने नवजोत सिंह सिद्धू से फोन पर बात की। इसके बाद से पंजाब कांग्रेस में हलचल मच गई है।

उत्तरी भारत के कई इलाकों में बारिश, मौसम हुआ सर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आज तड़के देश के उत्तरी हिस्से के कई क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव हो गया। बारिश की वजह लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, दूसरी तरफ आने वाले महीनों में हिंद महासागर में द्विध्रुवीय (आईओडी) स्थिति बनेगी। आईओडी भी अल नीनो व ला नीनो जैसी स्थिति है। इसमें हिंद महासागर के पश्चिमी व पूर्वी भाग के सतही तापमान में अंतर की वजह से भारत में मानसून को मजबूती मिलती है।

देश में वार्षिक वर्षाजल का 70 फीसदी मानसून के दौरान गिरता है। इससे देश की 60 फीसदी कृषि भूमि की सिंचाई होती है। देश की आधी आबादी सीधे तौर पर मानसूनी बारिश से जुड़ी खेती पर आश्रित है। मौसम विभाग के मुताबिक, भारत में मानसून को मजबूती देने वाली ला नीना की स्थिति अब कमजोर पड़ रही है। अप्रैल से जून तक सामान्य स्थिति बनी रहेगी, इसके बाद अल नीनो की स्थिति बनना शुरू हो जाएगी, जिससे भारत में मानसून कमजोर होगा।

12 साल में अप्रैल में अधिकतम तापमान इतना कम

बीते 12 साल में एक अप्रैल को अधिकतम तापमान इतना कम नहीं रहा। वहीं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से तीन डिग्री कम 15.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इस कारण ठंड का अहसास हुआ। अब बारिश का दौर थमने पर अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगेगी। इससे पहले मौसम विभाग ने अप्रैल महीने की शुरुआत सुहावने मौसम के साथ होने की संभावना जताई थी। बारिश के असर के चलते ऐसा हुआ भी। साथ ही कहा था कि चार अप्रैल तक अधिकतम तापमान 28 से 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15-16 डिग्री के बीच बना रहेगा। अमूमन एक अप्रैल से पांच अप्रैल तक अधिकतम तापमान 33.5 और न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज होता है।

पैरोल पर आया किशोर लापता, तलाश में पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव का निजी डाटा हैक करने के मामले में पकड़ा गया लड़का पैरोल पर बाहर आते ही लापता हो गया। दिसंबर 2022 में साइबर क्राइम थाने की टीम ने किशोर और उसके पिता को गिरफ्तार किया था। आरोपी पिता सत्यप्रकाश ने प्रमुख सचिव का निजी आईटी कंसलटेंट होने के दौरान उनका निजी डेटा हैक कर रंगदारी मांगी थी। पिता आजकल जमानत पर और बेटा परीक्षा देने के चलते पैरोल पर था। पैरोल खत्म होने के बाद बाल सुधार गृह नहीं पहुंचने पर पुलिस ने खोजबीन की। तब दोनों के फरार होने की जानकारी हुई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सत्यप्रकाश ने अपने नाबालिग बेटे को बाल सुधार गृह से निकालने की साजिश के चलते ही परीक्षा के नाम पर पैरोल की साजिश रची। नाबालिग आरोपी की किसी प्रतियोगी परीक्षा के चलते ही 19 से 21 मार्च तक की पैरोल मिली थी। उसे बाल सुधार गृह से 19 मार्च को छोड़ा गया। लेकिन वह परीक्षा के बाद वहां नहीं लौटा। इसकी जानकारी होने पर बाल सुधार गृह से साइबर क्राइम थाने को सूचना दी गई। प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना मुस्लिम खान के मुताबिक पिछले 13 दिन से उसकी तलाश की जा रही है। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं सत्यप्रकाश कोर्ट से 17 फरवरी की जमानत मिलने के बाद से बाहर है। पिता-पुत्र घर में ताला लगाकर गायब है। उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

प्रमुख सचिव नमामि गंगे का डाटा हैक कर मांगे थे पैसे

प्रमुख सचिव नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति अनुराग श्रीवास्तव ने नवंबर 2022 में साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हैकरों ने उनके क्रेडिट कार्ड से विदेशी मुद्रा का ट्रांजेक्शन करने के साथ हैकरों ने प्रमुख सचिव व उनके परिवार के चार लोगों के ईमेल और क्लाउड डाटा को हैक कर बिटक्वाइन में रंगदारी मांगी थी। साइबर क्राइम थाने की टीम ने 11 दिसंबर को आईटी कंसल्टेंट कंपनी के तीन कर्मचारी पीजीआई के उतरेठिया बाजार निवासी अमित प्रताप सिंह, वृंदावन योजना सेक्टर-9 के रजनीश निगम और गोमतीनगर के हार्दिक खन्ना शामिल को पकड़ा था। लेकिन जांच में सामने आया कि प्रमुख सचिव को उनके ही निजी आईटी कंसल्टेंट सत्यप्रकाश ने अपने नाबालिग बेटे के साथ ठगी की थी।

मूलरूप से पटना का रहने वाला सत्यप्रकाश सुशांत गोल्फ सिटी में पार्थ अपार्टमेंट में परिवार सहित रहता है। उसने प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव को अपने जाल में फंसा लिया था। निजी व कार्यालय के इंटरनेट से जुड़ी हर समस्या का निदान वह खुद करता था। इसी का फायदा उठाकर उसने गोपनीय जानकारी हासिल की। फिर उनका मेल व डाटा हैक कर लिया। इसके बाद उनसे रंगदारी का मेल भेजा। रंगदारी में उसने बिटक्वाइन में 80 लाख रुपये की मांग की थी। साइबर क्राइम की टीम ने 17 दिसंबर को इस मामले में सत्यप्रकाश और नाबालिग बेटे को पकड़ कर बाल सुधार गृह भेजा था।

चेपक में चमकी चेन्नई सुपरकिंग्स, मिली पहली जीत

» लखनऊ को 12 रन से हराया, मोईन अली ने लिए चार विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आईपीएल के छठे मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 12 रन से हराया दिया। सीजन में चेन्नई की पहली जीत है। उसे पिछले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। होमग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी चन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट पर 217 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 205 रन ही बना सकी।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने 2019 के बाद अपने होमग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में वापसी करते हुए शानदार जीत हासिल की। पिछले तीन सीजन में कोरोनावायरस महामारी और अन्य कारणों से टीम यहां नहीं खेल पाई थी। चेन्नई सुपरकिंग्स ने अपने होमग्राउंड पर पिछले 22 में से 19 मुकाबले जीते हैं। उसे सिर्फ तीन मुकाबलों में हार मिली है।चेन्नई ने लखनऊ को 12 रन से हरा दिया। इस सीजन में उसकी यह पहली जीत है। पिछले मैच में चेन्नई को गत विजेता गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। चेन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट पर 217 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 205 रन ही बना सकी। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की। उसने शुरुआती छह ओवर में 80 रन बना लिए थे। कायेल मेयर्स ने 22 गेंद पर 53 रन की पारी खेली। उन्होंने आठ चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी की। वह छठे ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हुए। मेयर्स के आउट होने के बाद नियमित अंतराल पर लखनऊ को झटके लगे। इस कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। निकोलस पूरन ने 18 गेंद पर 32 रनों की पारी खेली। उन्होंने दो चौके और तीन छक्के लगाए। जब तक पूरन क्रीज पर थे, तब तक लग रहा था कि वह लखनऊ को मैच में जीत दिला देंगे। 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर उनके आउट होने के बाद लखनऊ की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई। आयुष बदोनी ने 18 गेंद पर 23, कृष्णप्पा गौतम ने 11 गेंद पर नाबाद 17 और मार्कवुड ने तीन गेंद पर नाबाद 10 रन जरूर बनाए, लेकिन ये खिलाड़ी टीम को जीत नहीं दिला सके।

Aisshpra
*Conditions apply.
Aisshpra Jewellery Boutique
22/3 Gokhle Marg, Near Red Hill School, Lucknow. Tel: 0522-4045553.
Mob: 9335232065.
/ AISSHPRA JEWELLERY

भाजपा चाहती है राजनीतिक लाभ के लिए दंगे हों : राजद

» गृह मंत्री के दौरे के लिए माहौल खराब किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

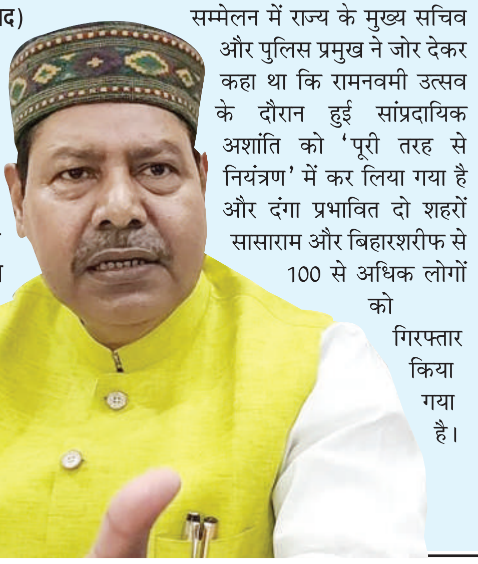

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक और प्रवक्ता भाई वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि भाजपा चाहती है कि राजनीतिक लाभ के लिए दंगे हों। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने अपने नेता और गृह मंत्री अमित शाह के शनिवार और रविवार को राज्य के दौरे के कारण माहौल खराब किया। अमित शाह ने रविवार को एक रैली को संबोधित किया था और हिंसा के लिए सत्तारूढ़ राजद-जद (यू)-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधा था।

रविवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस प्रमुख ने जोर देकर कहा था कि रामनवमी उत्सव के दौरान हुई सांप्रदायिक अशांति को 'पूरी तरह से नियंत्रण' में कर लिया गया है और दंगा प्रभावित दो शहरों सासाराम और बिहारशरीफ से 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अगर हिंसा बीजेपी की साजिश तो पर्दाफाश करें : सुशील मोदी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में सांप्रदायिक हिंसा के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना की। बीजेपी ने कहा कि ऐसा लगता है कि वह शासन करने की अपनी इच्छा खो चुके हैं। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने की बजाय उन्हें राज्य का खयाल करना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने स्थिति से निपटने की नीतीश की इच्छा पर सवाल उठाया, तो बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद सुशील कुमार मोदी ने हिंसा के लिए भाजपा और दक्षिणपंथी संगठनों को जिम्मेदार ठहराने के लिए राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं पर निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि सरकार ने इस तरह की साजिश का पर्दाफाश क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा, 'अगर यह भाजपा की साजिश है, तो आपने इसका पर्दाफाश क्यों नहीं किया? राज्य भर में रामनवमी जुलूस में भाग लेने वाले लाखों लोग भाजपा के सदस्य नहीं हैं, लेकिन हिंदू समाज से संबंधित हैं। वे किसी भी पार्टी से हो सकते हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने 17 साल के कार्यकाल में पहली बार नीतीश कुमार ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ रहे हैं।

हुगली में फिर भड़की हिंसा ट्रेन सेवा भी हुई प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। रिसड़ा स्टेशन में फिर सोमवार रात को हिंसा भड़क उठी। वहीं मंगलवार को राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा किया। रिसड़ा में करीब रात 8 बजे 4 नंबर रेलगेट के पास उपद्रवियों ने हिंसा की घटना को अंजाम दिया। रेलवे गेट पर हमला करने का आरोप लगा है। वहां आरोपियों ने पत्थर बरसाए। स्टेशन के पास आगजनी की।

हिंसा के कारण सियालदह-हावड़ा में शाखा की ट्रेन सेवा भी बंद रही। इसके कारण हावड़ा-बर्दवान मेन लाइन की ट्रेनें रोक दी गईं। रात 1 बजे के बाद ट्रेन सेवा सुचारू हुई। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद थे। दरअसल रविवार को रिसड़ा से शोभायात्रा निकाली जा रही थी। तभी शोभायात्रा पर हमले और पथराव की घटना घटी। रिसड़ा रेलगेट पर कई लोग इक्कठे हो गए। वहां पथराव करने। यहां तक कि आस पास में पत्थर फेंका और बमबाजी हुई। ट्रेनों में बम फेंकने की शिकायतें मिली हैं। पुलिस पर पथराव किया गया। बम फेंके जा रहे हैं। आरोप है कि आंसू गैस के गोले दागने के बाद भी स्थिति काबू में नहीं आई।

बेंगलुरु से वाराणसी आ रहे विमान के 137 यात्री बाल-बाल बचे

» इंडिगो के विमान की तेलंगाना में इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी समस्या आने के बाद उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है।दरअसल, बेंगलुरु से वाराणसी जाने वाली (6 ई 897) फ्लाइट में 137 यात्री सवार थे, जिसकी तकनीकी खराबी के कारण आज सुबह 6.15 बजे तेलंगाना के शमशाबाद हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की गई। सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, फ्लाइट जैसे बेंगलुरु से रवाना हुई कुछ देर बाद पायलट को उसमें तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद पायलट ने विमान की तेलंगाना के शमशाबाद हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग की। बता दें कि बीते दिन बेंगलुरु से अबू धाबी के लिए उड़ान भरने वाली एतिहाद एयरवेज की फ्लाइट ईवाई-237 में भी तकनीकी खराबी आई थी, जिसके तुरंत बाद उसकी वापिस बेंगलुरु के एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करवाई गई। दरअसल, जैसे ही फ्लाइट ने टेक-ऑफ किया तो पायलट को अहसास हुआ कि प्लाइट में कुछ दिक्कत है। कैप्टन ने पाया कि विमान के कैबिन प्रेशर में कमी है, जिसके बाद उसने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला किया।

महावीर जयंती पर निकली शोभायात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैन समाज के लोग आज 24वें तीर्थंकर भगवान श्रीमहावीर की जयंती मना रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश में अलग-अलग शहरों में शोभायात्राएं भी निकाली जा रही हैं। भगवान महावीर के मंदिरों में विशेष पूजन और अभिषेक के कार्यक्रम रखे गए हैं। पूरे देश में यह पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। यूपी केस्कूल इस अवसर पर बंद हैं। वही राजस्थान सरकार के ने महावीर जयंती पर संपूर्ण राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर जयंती मनाई जाती है। इस दिन जैन धर्म के अनुयायी 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मोत्सव मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान महावीर करीब 599 ईसा पूर्व बिहार के कुंडलपुर के राज घराने में जन्में थे। भगवान महावीर जैन धर्म के 24 वें व अंतिम तीर्थंकर थे।

जैन धर्म में तीर्थंकर का अभिप्राय उन 24 दिव्य महापुरुषों से है जिन्होंने अपनी तपस्या से आत्मज्ञान को प्राप्त किया और जिन्होंने अपनी इंद्रियों और भावनाओं पर पूरी तरह से विजय प्राप्त की। इस दौरान भगवान महावीर ने दिगंबर स्वीकार कर लिया, दिगंबर मुनि आकाश को ही अपना वस्त्र मानते हैं इसलिए वस्त्र धारण नहीं करते हैं। करीब 600 वर्ष पहले कुण्डलपुर में क्षत्रिय वंश में पिता सिद्दार्थ और माता त्रिशला के यहां चैत्र शुक्ल तेरस को वर्धमान का जन्म हुआ। वर्धमान को महावीर के अलावा वीर,अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है। भगवान महावीर ने पूरे समाज को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। जैन धर्म का समुदाय इस पर्व को बड़े उल्लास से एक उत्सव की तरह मनाते हैं।

पांच आरोपियों को पुलिस ने लिया रिमांड पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उमेश पाल हत्याकांड: खुलेंगे कई और राज

प्रयागराज। बहुचर्चित उमेशपाल हत्याकांड में मंगलवार की सुबह पुलिस पांचों आरोपियों की कस्टडी रिमांड लेने सेंट्रल जेल नैनी गई। आने वाले 24 घंटे में पुलिस को कुछ बड़ी और अहम जानकारी मिल सकती है। पुलिस को सोमवार को उमेशपाल शूटआउट केस में गिरफ्तार 5 आरोपियों की कस्टडी रिमांड मिल गई थी। सीजेएम कोर्ट ने पांचों आरोपियों की 24 घंटे की कस्टडी रिमांड मंजूर कर ली थी। ये सभी 4 अप्रैल दोपहर तीन बजे तक पुलिस कस्टडी में रहेंगे।

प्रभारी निरीक्षक धूमनगंज राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि उमेश पाल हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों में नियाज अहमद, मोहम्मद सजर, कैश अहमद, राकेश कुमार और अरशद कटरा उर्फ अरशद खान की कस्टडी रिमांड लेंगे। पुलिस सेंट्रल जेल नैनी से मंगलवार की सुबह सभी आरोपियों की मेडिकल जांच करवाएगी। इसके बाद कस्टडी रिमांड पर आरोपियों से उमेशपाल मर्डर और अन्य तथ्यों पर पूछताछ करेगी।

साबरमती से तिहाड़ जेल में शिफ्ट होगा अतीक

गुजरात की साबरमती जेल में सश्रम आजीवन कारावास की सजा काट रहे समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद की जेल अब बदली जाएगी । पूर्व सांसद को गुजरात की साबरमती जेल से हटाकर अब दिल्ली की तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया जाएगा। रिपोर्ट के बाद हुई गोपनीय जांच के आधार पर अतीक अहमद की जेल बदलने का फैसला किया गया है।

टॉर्चर या थर्ड डिग्री का इस्तेमाल नहीं

हालांकि कोर्ट ने कहा कि पुलिस आरोपियों पर टार्चर या थर्ड डिग्री का इस्तेमाल नहीं करेगी। साथ ही पूछताछ के दौरान एक वकील भी मौजूद रहेगा। पुलिस 24 घंटे की कस्टडी रिमांड में उमेश पाल मर्डर केस में ज्यादा से ज्यादा जानकारी लेना चाहेगी। कस्टडी रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद दोबारा आरोपियों को कोर्ट में पेश करना होगा।

TTAMASHA™
BISTRO | BAR
FOOD | DRINK | DANCE
Come & Experience
Wonderful Moments Of Your Life
CORPORATE PARTIES | KITTY PARTIES
BIRTHDAY PARTIES | ANNIVERSARY
For Reservations: 7991610111, 7234922227
TTAMASHA Bistro Bar, 3th Floor, Wave Mall, Gomti Nagar, Lucknow

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।